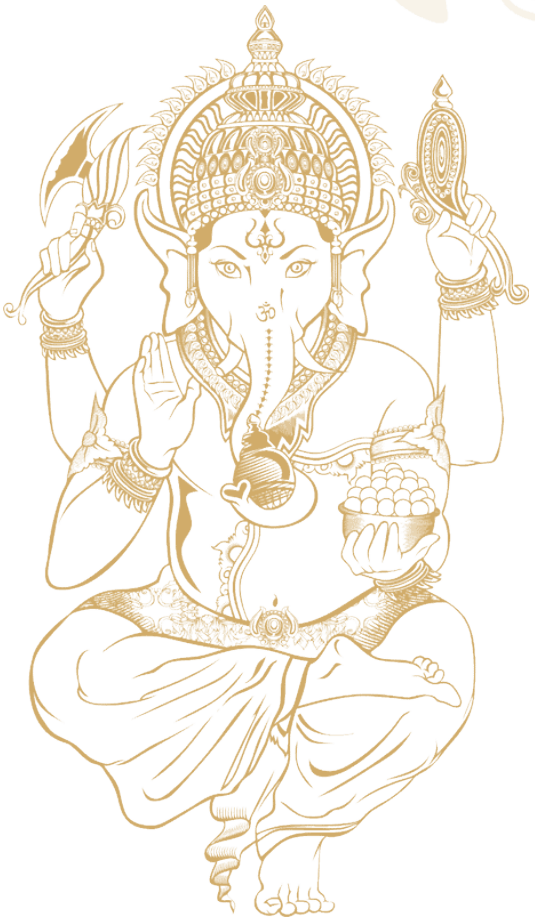

09 Feb 2026

08:48 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121263002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:48:00 घंटे**
इष्ट	33:58:16 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:09:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	05:28:15 घंटे
सूर्योदय	07:12:41 घंटे
सूर्यास्त	18:33:18 घंटे
दिनमान	11:20:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:39:18 मकर
लग्न के अंश	28:22:28 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:22:28	336:21:59	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मक	26:39:18	01:00:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	27:49:41	11:53:44	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	19:16:37	00:47:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			कुंभ	10:26:24	01:42:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:15:26	00:05:29	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	04:47:03	01:15:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	05:18:11	00:06:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:54:42	00:00:00	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:54:42	00:00:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:59	00:00:18	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:10:07	00:01:51	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:44:39	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	28:29:18	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

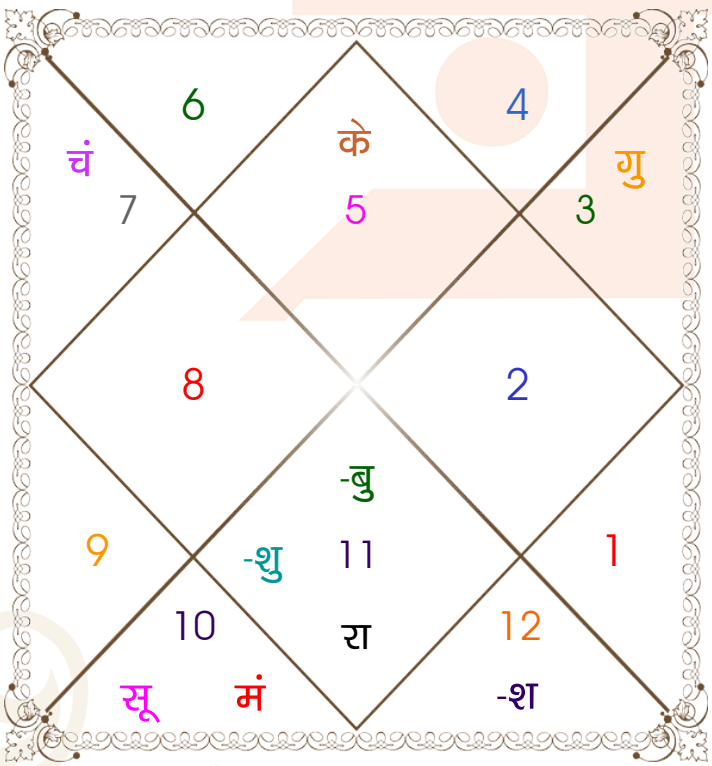

चन्द्र कुंडली

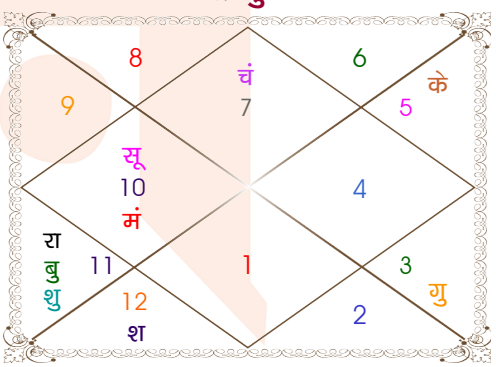

नवमांश कुंडली

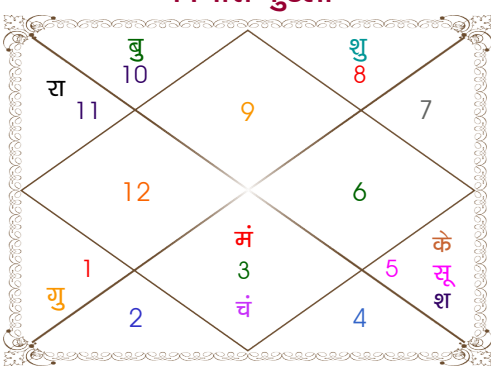

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 7 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/02/2026		18/09/2032		19/09/2051		18/09/2068		19/09/2075	
18/09/2032		19/09/2051		18/09/2068		19/09/2075		19/09/2095	
	00/00/0000	शनि	22/09/2035	बुध	15/02/2054	केतु	14/02/2069	शुक्र	19/01/2079
	00/00/0000	बुध	01/06/2038	केतु	12/02/2055	शुक्र	17/04/2070	सूर्य	19/01/2080
	00/00/0000	केतु	11/07/2039	शुक्र	13/12/2057	सूर्य	22/08/2070	चंद्र	19/09/2081
	09/02/2026	शुक्र	10/09/2042	सूर्य	19/10/2058	चंद्र	23/03/2071	मंगल	19/11/2082
शुक्र	02/04/2027	सूर्य	23/08/2043	चंद्र	20/03/2060	मंगल	20/08/2071	राहु	18/11/2085
सूर्य	19/01/2028	चंद्र	23/03/2045	मंगल	17/03/2061	राहु	06/09/2072	गुरु	19/07/2088
चंद्र	20/05/2029	मंगल	02/05/2046	राहु	04/10/2063	गुरु	13/08/2073	शनि	19/09/2091
मंगल	26/04/2030	राहु	08/03/2049	गुरु	09/01/2066	शनि	22/09/2074	बुध	20/07/2094
राहु	18/09/2032	गुरु	19/09/2051	शनि	18/09/2068	बुध	19/09/2075	केतु	19/09/2095

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/09/2095		20/09/2101		20/09/2111		20/09/2118		19/09/2136	
20/09/2101		20/09/2111		20/09/2118		19/09/2136		00/00/0000	
सूर्य	07/01/2096	चंद्र	21/07/2102	मंगल	16/02/2112	राहु	02/06/2121	गुरु	07/11/2138
चंद्र	07/07/2096	मंगल	19/02/2103	राहु	06/03/2113	गुरु	27/10/2123	शनि	21/05/2141
मंगल	12/11/2096	राहु	20/08/2104	गुरु	10/02/2114	शनि	02/09/2126	बुध	27/08/2143
राहु	07/10/2097	गुरु	20/12/2105	शनि	21/03/2115	बुध	21/03/2129	केतु	02/08/2144
गुरु	26/07/2098	शनि	21/07/2107	बुध	18/03/2116	केतु	08/04/2130	शुक्र	10/02/2146
शनि	08/07/2099	बुध	20/12/2108	केतु	14/08/2116	शुक्र	08/04/2133		00/00/0000
बुध	14/05/2100	केतु	21/07/2109	शुक्र	14/10/2117	सूर्य	03/03/2134		00/00/0000
केतु	19/09/2100	शुक्र	21/03/2111	सूर्य	19/02/2118	चंद्र	02/09/2135		00/00/0000
शुक्र	20/09/2101	सूर्य	20/09/2111	चंद्र	20/09/2118	मंगल	19/09/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।